भारत सरकार
कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2341
उत्तर देने की तारीख 18 दिसंबर, 2023
सोमवार, 27 अग्रहायण, 1945 (शक)

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना-3.0 के अंतर्गत योजना

2341. एडवोकेट अदूर प्रकाशः

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के तहत कौशल विकास प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले आवेदकों की संख्या कितनी है और पीएमकेवीवाई 3.0 योजना के तहत प्रशिक्षित पेशेवरों की वर्तमान रोजगार स्थिति क्या है;

(ख) पीएमकेवीवाई 4.0 का ब्योरा क्या है और इस नई योजना का उद्देश्य और रणनीति पिछली योजना से किस तरह भिन्न है; और

(ग) सरकार द्वारा पिछली योजनाओं की कमियों को दूर करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

कौशल विकास और उदयमशीलता राज्य मंत्री
(श्री राजीव चंद्रशेखर)

(क) कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) भारत सरकार के कुशल भारत मिशन (सिम) के अंतर्गत, विभिन्न स्कीमों अर्थात प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन स्कीम (एनएपीएस) और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के माध्यम से शिल्पकार प्रशिक्षण स्कीम (सीटीएस) के द्वारा कौशल विकास केंद्रों/कॉलेजों/संस्थानों के एक व्यापक नेटवर्क के माध्यम से देश भर में समाज के सभी वर्गों युवाओं को कौशल, पुनर्कौशल और कौशलोन्नयन प्रशिक्षण प्रदान करता है। सिम का उद्देश्य भारत के युवाओं को भविष्य और उद्योग के लिए तैयार कौशल प्राप्त करने में सक्षम बनाना है।

प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 3.0 के तहत, उम्मीदवारों को अल्पावधि प्रशिक्षण (एसटीटी) और पूर्व शिक्षण मान्यता (आरपीएल) में प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। एसटीटी प्रमाणित उम्मीदवारों को नियोजन के अवसर प्रदान किए गए हैं, और आरपीएल में पहले से मौजूद कौशल के प्रमाणीकरण की प्रक्रिया शामिल है। इस स्कीम के इस चरण के अंतर्गत, 737,502 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित/उन्मुख किया गया था और 43,016 एसटीटी प्रमाणित उम्मीदवारों को जॉब मिलने की सूचना मिली थी।

(ख) इस स्कीम के पूर्ववर्ती चरणों के कार्यान्वयन से प्राप्त अनुभव के आधार पर, प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 4.0 को पुनः डिजाइन किया गया है और पीएमकेवीवाई 4.0 की कुछ मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

i. इंडस्ट्री 4.0, वेब 3.0, एआर/वीआर, क्लाइमेट चेंज, सर्कुलर इकोनॉमी, ग्रीन इकोनॉमी और एनर्जी ट्रांजिशन जैसे आधुनिक कौशलों पर ध्यान देना।

ii. आकलन, बेहतर अनुवीक्षण में नवाचारों के माध्यम से पूर्व शिक्षण मान्यता (आरपीएल) के अंतर्गत पुन: कौशल और कौशलोन्नयन पर बल देना।

iii. उम्मीदवारों को बेहतर व्यावहारिक अनुभव के लिए ऑन-जॉब-ट्रेनिंग (ओजेटी) पर अधिक निर्भरता।

iv. उद्योग के साथ भागीदारी में पाठ्यक्रम शुरू करके पाठ्यक्रम पाठ्यचर्या में लचीलापन।

v. शैक्षणिक संस्थाओं जैसे आईटीआई/स्कूल/कॉलेज/विश्वविद्यालय/केंद्रीय और राज्य सरकार संस्थानों आदि के साथ उपलब्ध बुनियादी ढांचे का परस्पर उपयोग।

(ग) पीएमकेवीवाई 4.0 विभिन्न क्षेत्रों में उद्योग के लिए तैयार, भविष्य के लिए तैयार और आधुनिक कौशल प्रदान करके उम्मीदवारों की नियोजनीयता बढ़ाने पर जोर देता है। यह स्कीम ड्रोन, कृत्रिम मेधा (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), 3डी प्रिंटिंग, ब्लॉक चेन, मेक्ट्रोनिक्स, रोबोटिक्स आदि जैसे आधुनिक और उभरते पाठ्यक्रमों पर केंद्रित है। ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग (ओजेटी), अनिवार्य नियोजनीयता कौशल मॉड्यूल, कौशलोन्नयन पर फोकस, उम्मीदवारों का आधार प्रमाणित पंजीकरण, पाठ्यक्रमों को मिले-जुले रूप में पढ़ाना आदि स्कीम के कुछ महत्वपूर्ण पहलू हैं। प्रशिक्षण और आकलन की गुणवत्ता में सुधार के लिए योग्य तथा प्रमाणित प्रशिक्षकों और आकलनकर्ताओं का एक राष्ट्रीय पूल बनाया गया है। रोजगार के अवसरों को सक्षम करने के लिए, स्किल इंडिया डिजिटल (एसआईडी) पोर्टल को एक वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म के रूप में प्रारम्भ किया गया है जो हितधारकों की एक विस्तृत श्रृंखला को लक्षित करने वाली सेवाओं का आजीवन क्रम विन्यास प्रदान करने के लिए कौशल, शिक्षा, रोजगार और उद्यमशीलता इकोसिस्टम को एकीकृत करता है। स्किल इंडिया डिजिटल के माध्यम से, उम्मीदवारों को जॉब और शिक्षुता के अवसरों तक पहुंच मिल सकती है।

******